प्रो राम मेघे प्रौद्योगिकी और अनुसंधान संस्थान, यांत्रिक विभाग, बडनेरा, आगे छलांग

प्रसिद्ध यास्कावा कंपनी की रोबोटिक्स ऑटोमेशन प्रयोगशाला रखने वाला भारत का एकमात्र डिवीजन प्रतिष्ठित कंपनियों में १४३ छात्रों का चयन

अमरावती-प्रो राम मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च, बडनेरा के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने २०२२ छात्रों के लिए प्लेसमेंट में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इस विभाग के १४३ छात्रों को भारत की प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी मिली है। इनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध कॉग्निजेंट, एक्सेंचर, टीसीएस, विप्रो, कैपजेमिनी, कोलाबेरा, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंफोसिस, लार्सन एंड टुब्रो, प्रेटियन टेक, जेनसर, बजाज ऑटो, बॉश शामिल हैं। इसमें यास्कावा रोबोटिक्स ऑटोमेशन, श्रीराम मशीन्स, अष्टविनायक इंफ्रा एनर्जी, टाटा एयरोनॉटिक्स लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल हैं। खास बात यह है कि इस विभाग के छात्र वेदांत महाजन को नामी आईटी कंपनी एक्सेंचर में सबसे ज्यादा पैकेज से नवाजा गया है। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष २०२२२३ में अंतिम वर्ष के छात्रों का चयन भी कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी आदि द्वारा किया जाता है। यह एक प्रतिष्ठित कंपनी में किया गया है और विभाग १०० प्लेसमेंट के लक्ष्य की ओर दौड़ रहा है। प्राचार्य डॉ. गजेंद्र बामनोट एवं यांत्रिक विभाग के प्रमुख का मानना है कि सभी इच्छुक छात्रों को इस वर्ष के अंतिम वर्ष के छात्रों को मार्च २०२३ तक नौकरी मिल जाएगी. अनूप शिरभटे ने व्यक्त किया।कॉलेज के यांत्रिक विभाग ने अब तक सफलता की कई नई उंचाइयों को छुआ है। विभाग में हाल ही में स्थापित रोबोटिक्स और ऑटोमेशन लैब में विश्व स्तरीय यास्कावा कंपनी ने औद्योगिक

उपयोग के लिए रोबोट स्थापित किए हैं। यह पहली बार है जब यास्कावा ने भारत में किसी कॉलेज के साथ समझौता किया है। इस कंपनी ने इस समझौते के तहत इस साल के कुछ छात्रों का चयन भी किया है। इसके अलावा, औद्योगिक रूप से उन्नत तकनीक पर आधारित ३डी प्रिंटिंग सिस्टम, विभिन्न कंप्यूटर नियंत्रित मशीनों (सीएनसी), स्वचालित सिस्टम बनाने के लिए पीएलसी प्रोग्रामिंग, न्यूमेटिक सर्किट डिजाइन आदि जैसी सुविधाओं के माध्यम से, छात्रों को प्रदर्शनों के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र में काम करने में सक्षम बनाया जाता है। इस प्रकार उन्हें रोजगार और स्वरोजगार का साधन बनाकर वैश्वीकरण की प्रतिस्पर्धा में आकर खुद को साबित करेंगे। केवल पुस्तक ज्ञान पर निर्भर रहने के बजाय व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से उद्योगप्रासंगिक ज्ञान प्राप्त करने वाले छात्रों पर विशेष जोर दिया जाता है। इसके लिए छात्रों को भारत की प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप की ट्रेनिंग दी जाती है। छात्र ईवाहन, गोकार्ट, बाजा, सुप्रा जैसी अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और विभिन्न पुरस्कार जीतते हैं। इसके अलावा, कई छात्रों ने उद्यमिता विकास केंद्र के माध्यम से अपना स्वयं का स्टार्टअप शुरू किया है जो स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज स्तर पर कार्य कर रहा है।इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारतीय रेटिंग एजेंसी एनबीए द्वारा २००४ से इसे लगातार रेटिंग दी गई है। अमरावती विश्वविद्यालय के तहत विभिन्न कॉलेजों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग एकमात्र ऐसा विभाग है जिसे इस तरह का गौरव प्राप्त हुआ है। यह एनआईआरएफ प्राप्त करने वाला एकमात्र कॉलेज भी है, जो पिछले ३ वर्षों से केंद्र सरकार द्वारा दी गई रेटिंग है। इस विभाग के छात्रों और फैकल्टी को अब तक ३६ पेटेंट मिल चुके हैं। प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शिक्षकों ने ७०० से अधिक शोध पत्र और पुस्तकें प्रकाशित की हैं। विभाग में संकाय का औसत अनुभव २० वर्ष से अधिक है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में छात्रों का मेसा क्लब कार्यरत है। इसके तहत छात्र विभिन्न शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करते हैं। इस वर्ष के गणेशोत्सव के दौरान, छात्रों ने शहर के विभिन्न सार्वजनिक बोर्डों से निर्माल्या एकत्र करने और इसे उर्वरक में बदलने के लिए एक अभिनव पहल की। उन्नत महाराष्ट्र अभियान के तहत यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कार्यान्वित कई गतिविधियों को देश स्तर पर नोट किया गया है।

प्रो कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. का मानना ""है कि राम मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च बडनेरा का यांत्रिक विभाग प्रगति करता रहेगा और विदर्भ में छात्रों के लिए एक उच्च स्तरीय ज्ञान केंद्र बन जाएगा। गजेंद्र बमनोट ने व्यक्त किया है। विदर्भ यूथ वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. नितिन ढांडे, उपअधिवक्ता। उदय देशमुख, कोषाध्यक्ष प्रो. डॉ। हेमंत देशमुख, सचिव श्री. युवराज सिंह चौधरी, कार्यकारी सदस्य श्री. शंकरराव काले, श्री. नितिन हिवसे, प्रो. श्रीमती। रागिनी देशमुख, डॉ. श्रीमती। वैशाली ढांडे, डॉ. श्रीमती। पूनम चौधरी ने यांत्रिक विभाग को बधाई दी है.

प्रो. राम मेघे प्रौद्योगिकी और अनुसंधान संस्थान, बडनेरा का यांत्रिक विभाग की ऊंची छलांग

प्रसिद्ध यास्कावा कंपनी की रोबोटिक्स ऑटोमेशन प्रयोगशाला रखने वाला भारत का एकमात्र डिवीजन

प्रतिष्ठित कंपनियों में 143 छात्रों का चयन

प्रो राम मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च, बडनेरा के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने 2022 छात्रों के लिए प्लेसमेंट में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इस विभाग के 143 छात्रों को भारत की प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी मिली है। इनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध कॉग्निजेंट, एक्सेंचर, टीसीएस, विप्रो, कैपजेमिनी, कोलाबेरा, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंफोसिस, लार्सन एंड टुब्रो, प्रेटियन टेक, जेनसर, बजाज ऑटो, बॉश शामिल हैं। इसमें यास्कावा रोबोटिक्स ऑटोमेशन, श्रीराम मशीन्स, अष्टविनायक इंफ्रा एनर्जी, टाटा एयरोनॉटिक्स लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल हैं। खास बात यह है कि इस विभाग के छात्र वेदांत महाजन को नामी आईटी कंपनी एक्सेंचर में सबसे ज्यादा पैकेज से नवाजा गया है। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में अंतिम वर्ष के छात्रों का चयन भी कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी आदि द्वारा किया जाता है। यह एक प्रतिष्ठित कंपनी में किया गया है और विभाग 100त्न प्लेसमेंट के लक्ष्य की ओर दौड़ रहा है। प्राचार्य डॉ. गजेंद्र बामनोट एवं यांत्रिक विभाग के प्रमुख का मानना ??है कि सभी इच्छुक छात्रों को इस वर्ष के अंतिम वर्ष के छात्रों को मार्च 2023 तक नौकरी मिल जाएगी. अनूप शिरभटे ने व्यक्त किया।

कॉलेज के यांत्रिक विभाग ने अब तक सफलता की कई नई ऊंचाइयों को छुआ है। विभाग में हाल ही में स्थापित *रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन* लैब में, विश्व स्तरीय यास्कावा कंपनी ने औद्योगिक उपयोग के लिए रोबोट स्थापित किए हैं। यह पहली बार है जब यास्कावा ने भारत में किसी कॉलेज के साथ समझौता किया है। इस कंपनी ने इस समझौते के तहत इस साल के कुछ छात्रों का चयन भी किया है। इसके अलावा, औद्योगिक रूप से उन्नत तकनीक पर आधारित 3डी प्रिंटिंग सिस्टम, विभिन्न कंप्यूटर नियंत्रित मशीनों (सीएनसी), स्वचालित सिस्टम बनाने के लिए पीएलसी प्रोग्रामिंग, न्यूमेटिक सर्किट डिजाइन आदि जैसी सुविधाओं के माध्यम से, छात्रों को प्रदर्शनों के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र में काम करने में सक्षम बनाया जाता है। इस प्रकार उन्हें रोजगार और स्वरोजगार का साधन बनाकर वैश्वीकरण की प्रतिस्पर्धा में आकर खुद को साबित करेंगे। केवल पुस्तक ज्ञान पर निर्भर रहने के बजाय व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से उद्योग-प्रासंगिक ज्ञान प्राप्त करने वाले छात्रों पर विशेष जोर दिया जाता है। इसके लिए छात्रों को भारत की प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप की ट्रेनिंग दी जाती है। छात्र ई-वाहन, गो-कार्ट, बाजा, सुप्रा जैसी अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और विभिन्न पुरस्कार जीतते हैं। इसके अलावा, कई छात्रों ने उद्यमिता विकास केंद्र के माध्यम से अपना स्वयं का स्टार्ट-अप शुरू किया है जो स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज स्तर पर कार्य कर रहा है।

इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारतीय रेटिंग एजेंसी एनबीए द्वारा 2004 से इसे लगातार रेटिंग दी गई है। अमरावती विश्वविद्यालय के तहत विभिन्न कॉलेजों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग एकमात्र ऐसा विभाग है जिसे इस तरह का गौरव प्राप्त हुआ है।

यह एनआईआरएफप्राप्त करने वाला एकमात्र कॉलेज भी है, जो पिछले 3 वर्षों से केंद्र सरकार द्वारा दी गई रेटिंग है। इस विभाग के छात्रों और शिक्षकों को अब तक *36* पेटेंट प्राप्त हुए हैं। शिक्षकों ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में *700* से अधिक शोध पत्र, पुस्तकें प्रकाशित की हैं। विभाग में संकाय का औसत अनुभव 20 वर्ष से अधिक है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में छात्रों का मेसा क्लब कार्यरत है। इसके तहत छात्र विभिन्न शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करते हैं। इस वर्ष के गणेशोत्सव के दौरान, छात्रों ने शहर के विभिन्न सार्वजनिक बोर्डों से निर्माल्य एकत्र करने और इसे उर्वरक में बदलने के लिए एक अभिनव पहल की। उन्नत महाराष्ट्र अभियान के तहत यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कार्यान्वित कई गतिविधियों को देश स्तर पर नोट किया गया है।

प्रो कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. का मानना ??है कि राम मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च बडनेरा का यांत्रिक विभाग प्रगति करता रहेगा और विदर्भ में छात्रों के लिए एक उच्च स्तरीय ज्ञान केंद्र बन जाएगा। गजेंद्र बमनोट ने व्यक्त किया है।

विदर्भ यूथ वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. नितिन ढांडे, उप-अधिवक्ता। उदय देशमुख, कोषाध्यक्ष प्रो. डॉ। हेमंत देशमुख, सचिव श्री. युवराज सिंह चौधरी, कार्यकारी सदस्य श्री. शंकरराव काले, श्री. नितिन हिवसे, प्रो. श्रीमती। रागिनी देशमुख, डॉ. श्रीमती। वैशाली ढांडे, डॉ. श्रीमती। पूनम चौधरी ने यांत्रिक विभाग को बधाई दी है.

प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी अँड रिसर्च, बडनेरा च्या मेकॅनिकल विभागाची उत्तुंग झेप

प्रख्यात यास्कावा कंपनीची रोबोटिक्स ऑटोमेशन प्रयोगशाळा असणारे भारतातील एकमात्र विभाग

अमरावती दि. २५ । प्रतिनिधी

प्रा. राम मेघे इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी अँड रिसर्च, बडनेरा च्या मेकॅनिकल इंजिनिअरिंग विभागाने २०२२ च्या विद्यार्थ्यांसाठीच्या प्लेसमेंट मध्ये नवा विक्रम प्रस्थापित केला आहे. या विभागातील १४३ विद्यार्थ्यांना भारतातील नामवंत कंपन्यांमध्ये, नोकरी मिळाली आहे. यामध्ये आंतरराष्ट्रीय ख्यातीच्या कोग्निझंट, असेंचर, टीसीएस, विप्रो, कॅपजेमिनी, कॉल्लाबेरा, जेएसडब्ल्यू स्टील, इन्फोसिस, लार्सोन अंड टुब्रो , प्रतीअन टेक, झेन्सार , बजाज ऑटो, बोश. यास्कावा रोबोटिक्स ऑटोमेशन, श्रीराम मशीन, अष्टविनायक इन्फ्रा एनर्जी, टाटा एरोनोटीक्स लिमिटेड यासारख्या नामवंत कंपन्यांचा समावेश आहे. विशेष उल्लेखनीय बाब म्हणजे या विभागाचा विद्यार्थी वेदांत महाजन याने असेंचर या नामवंत आयटी कंपनीत उच्च पॅकेज मिळवण्याचा बहुमान प्राप्त केला आहे. चालू शैक्षणिक वर्ष २०२२-२३ मध्ये अंतिम वर्षात शिक्षण घेत असलेल्या मुलांची निवड देखील कोग्निझंट, कॅपजेमिनी इ. नामवंत कंपनी मध्ये झाली असून १००% प्लेसमेंट च्या ध्येयाकडे विभागाची घोडदौड सुरू आहे. येत्या मार्च २०२३ पर्यंत यंदाच्या अंतिम वर्ष विद्यार्थ्यांपैकी सगळ्याच इच्छुक विद्यार्थ्यांना मनाजोगती नोकरी मिळालेली असेल असा विश्वास प्राचार्य डॉ गजेंद्र बामनोटे तसेच यांत्रिकी विभाग प्रमुख डॉ. अनुप शिरभाते यांनी व्यक्त केला.

१४३ विद्यार्थ्यांची नामवंत कंपन्यामध्ये निवड

महाविद्यालयाच्या मेकॅनिकल विभागाने आजवर यशाची अनेक नवनवीन शिखरे पादाक्रांत केली आहेत. विभागात नुकत्याच स्थापित झालेल्या रोबोटिक्स अँड ऑटोमेशन लॅब मध्ये जागतिक दर्जाच्या यास्कावा कंपनीने औद्योगिक उपयोगाच्या रोबोट ची स्थापना केली आहे. यास्कावा कंपनीने भारतातील एखाद्या महाविद्यालया सोबत प्रथमच अशा प्रकारचा सामंजस्य करार केला आहे. या करारा अंतर्गत यंदाच्या वर्षातील काही विद्यार्थ्यांची निवड देखील या कंपनीने केली आहे.

अभियांत्रिकी क्षेत्रातील भारतीय मानांकन संस्था एनबीए द्वारे सन २००४ पासून सतत मानांकन प्राप्त झाले आहे. असा बहुमान प्राप्त करणारा अमरावती विद्यापीठांतर्गत विविध महाविद्यालयातील यांत्रिकी विभाग हा एकमेव विभाग आहे. तसेच मागील ३ वर्षांपासून केंद्र शासनाकडून देण्यात येणारे मानांकन, NIRF मिळवणारे एकमेव महाविद्यालय आहे. या विभागातील विद्यार्थी व प्राध्यापकांनी आजपर्यंत ३६ पेटंट प्राप्त केले आहेत. शिक्षकांचे ७०० च्या वर नामवंत जर्नल्स मध्ये रिसर्च पेपर, पुस्तके प्रकाशित झाली आहे . विभागातील प्राध्यापकांचा सरासरी अनुभव २० वर्षांहून अधिक आहे. यांत्रिकी विभागामध्ये विद्यार्थ्यांचा MESA club कार्यरत आहे. या अंतर्गत विद्यार्थी विविध शैक्षणिक, सामाजिक व सांस्कृतिक उपक्रम आयोजित करत असतात. या वर्षीच्या गणेशोत्सवादरम्यान विद्यार्थ्यांनी शहरातील विविध सार्वजनिक मंडळांमधून निर्माल्य संकलित करून त्याचे खतात रूपांतर करण्याचा अभिनव उपक्रम राबविला. यांत्रिकी विभागाद्वारे उन्नत महाराष्ट्र अभियानांतर्गत राबविल्या जाणाऱ्या अनेक उपक्रमांची दखल देश पातळीवर घेण्यात आली आहे.

प्रो. राम मेघे इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी अँड रीसर्च बडनेरा चा यांत्रिकी विभाग उत्तरोत्तर प्रगतीपथावर राहील व विदर्भात विद्यार्थ्यांसाठी एक उच्चस्तरावरील ज्ञानार्जन केंद्र ठरेल असा विश्वास महाविद्यालयाचे प्राचार्य प्रा.डॉ. गजेंद्र बमनोटे यांनी व्यक्त केला आहे. विदर्भ युथ वेलफेअर सोसायटीचे अध्यक्ष डॉ. नितीन धांडे, उपाध्यक्ष ॲड. उदय देशमुख, कोषाध्यक्ष प्रा. डॉ. हेमंत देशमुख, सचिव युवराजसिंग चौधरी, कार्यकारणी सदस्य शंकरराव काळे, नितीन हिवसे, प्रा. रागिणी देशमुख, डॉ. वैशाली धांडे, डॉ. पुनम चौधरी यांनी यांत्रिकी विभागाला शुभेच्छा दिल्या आहेत.